हरिभूमि

जशपुर-रायगढ़ भूमि

बिलासपुर, गुरुवार, 6 नवंबर 2025

पत्थलगांव | कुनकुरी | बगीचा | फरसाबहार | कांसाबेल | दुलदुला | मनोरा

तापमान

अधिकतम 24.2 डिग्री

न्यूनतम 14.2 डिग्री

सहकारी समिति कर्मचारी संघ हड़ताल पर, कार्य प्रभावित

4

खबर संक्षेप

आश्रम शाला प्रभारी अधीक्षिका सुमित्रा निलंबित

अंबिकापुर। बलरामपुर जिले के विकासखण्ड वाड्रफनगर अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला कन्या आश्रम पशुपतिपुर की प्रभारी अधीक्षिका को निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार प्राथमिक शाला कन्या आश्रम के कर्मचारियों ने प्रधानपाठक व प्रभारी अधीक्षक श्रीमती सुमित्रा सिंह के द्वारा मानसिक रूप से प्रताड़ति करने संबधी शिकायत की थी। शिकायत की जांच हेतु टीम का गठन किया गया था। समिति की जांच रिपोर्ट में पाया गया कि श्रीमती सुमित्रा द्वारा कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है, जो कि एक शासकीय सेवक के लिए शोभनीय नही है। साथ ही जांच में पाया गया कि सुमित्रा सिंह के द्वारा बच्चों को पर्याप्त मात्रा में खाद्य सामग्री उपलब्ध नही कराया जाता है। श्रीमती सुमित्रा सिंह द्वारा आश्रम में कार्यरत कर्मचारियों के साथ अमार्यादित एवं अशोभनीय व्यवहार एवं अन्य अधिरोपित आरोपों की प्रथम दृष्टया पुष्टि हुई है तथा अधीक्षिका के प्रभार से भारमुक्त किये जाने बावजूद आश्रम के भण्डार कक्ष में ताला बन्द कर अपने अधिपत्य में रखे जाने के कारण आश्रम के बच्चों को पोषण सहित बुनियादी सुविधाएं कराने में अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न होने के कारण श्रीमती सुमित्रा सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी करने पर उनके द्वारा पत्र लेने इंकार किया जाना प्रमाणित पाया गया है। श्रीमती सुमित्रा सिंह, का उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम-3 का स्पष्ट उल्लंघन है। ऐसे में जिला शिक्षा अधिकारी बलरामपुर ने श्रीमती सुमित्रा सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

नौकरी लगाने के नाम पर 6 लाख की ठगी, अपराध दर्ज

अंबिकापुर। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर गाम पोड़ी निवासी 48 वर्षीय राजाराम आ. स्व. शिवलाल रजवार का 4 वर्ष पूर्व शासकीय प्लाट में पेड़ लगाने के दौरान कोरबा के कटघोरा निवासी शंकर लाल रजक से जान पहचान हुई थी। इस दौरान शंकर लाल रजक ने रायपुर में जान पहचान होने के कारण उसके बेटे धर्मजीत की नौकरी हॉस्टल अधीक्षक के पद पर लगाने का झांसा दिया था। नौकरी लगाने के नाम पर शंकर लाल रजक ने 6 लाख रुपए की मांग की थी ऐसे में बेटे की नौकरी लगने की लालसा में राजाराम ने अपने रिश्तेदारों से दुहार में लेकर 9 जुलाई 2022 को पहली बार 2 लाख रुपए शंकर राजवाड़े और रामबेलास राजवाड़े के समक्ष दिया था। इस तरह अलग अलग तीन किश्तों में उसने आरोपी को कुल 6 लाख रुपए दिया था। रुपए लेने के बाद आरोपी ने ज्वाइनिंग लेटर डाक से घर पहुँचने की बात कही थी लेकिन युवक की नौकरी नहीं लगी जिसके बाद उसे ठगी का एहसास हुआ। जब राजाराम ने अपने पैसे मांगे तो वह टालमटोल करता रहा। बाद में दुप्पी सरपंच लक्ष्मी सिंह के माध्यम से उसने 50 हजार रुपए वापस लिया जबकि बाद में शेष रकम के लिए तीन चेक दिया था लेकिन चेक बैंक में बाउंस हो गया। ठगी के मामले में पुलिस ने आरोपी शंकर लाल रजक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

चार वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म आरोपी युवक गिरफ्तार

प्रतापपुर। नगर पंचायत क्षेत्र में एक चार वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के मामले से नगर में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी लगते ही बड़ी संख्या में लोग थाने पहुंच गए और जमकर हंगामा मचाया और आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की। इधर मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक नगर पंचायत की 4 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ में पड़ोस के रहने वाला युवक ने बच्ची से दुष्कर्म किया जिससे आरोपी के घर जगह-जगह रक्त पाया गया।

आदिवासी संस्कृति और महाविद्यालयीन प्रतिभाओं की रही विशेष झलक

राज्योत्सव समापन समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

- पारंपरिक आदिवासी नृत्यों से सजी शाम
- सुआ, सरहुल, करमा आदि नृत्यों ने लोगों का मोहा मन

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के 3 दिवसीय जिला स्तरीय समारोह विगत दिवस जिला मुख्यालय जशपुर के रणजीता स्टेडियम में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर देर शाम तक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

समारोह में आदिवासी लोककला, नृत्य, गीत और प्रेरक नाटक की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विभिन्न विभागों एवं महाविद्यालयों द्वारा दी गई प्रस्तुतियों ने जशपुर सहित छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले सांस्कृतिक दल के सदस्यों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय शामिल हुए। विशिष्ट आतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष जशपुर अरविंद भगत , जनपद अध्यक्ष जशपुर गंगाराम भगत, पूर्व विधायक जागेश्वर भगत, नगर पालिका उपाध्यक्ष जशपुर यशप्रताप सिंह जूदेव, कलेक्टर रोहित व्यास, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार, डीएफओ शशि कुमार, अपर कलेक्टर प्रदीप साहू, एसडीएम विश्वासराव मस्के, डिप्टी कलेक्टर हरिओम द्विवेदी, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण कुमार राय, पूर्व उपाध्यक्ष नगर पालिका जशपुर राजेश गुप्ता, जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी कर्मचारी सहित भारी संख्या में नागरिकगण मौजूद रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव के राज्य निर्माण में योगदान को नमन करते हुए कहा कि कुमार साहब ने भी राज्य निर्माण के लिए महत्वपूर्व पहल की थी। उन्होंने कहा कि अविभाजित मध्यप्रदेश से अलग होकर बने छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में जशपुर जिले का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की दूरदृष्टि और नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण हुआ, जिससे इस अंचल के विकास को नई दिशा मिली। उन्होंने स्मरण किया कि उस समय जशपुर जिला शिक्षा और संस्कार का केंद्र था, जहां साक्षरता दर सर्वाधिक थी। उन्होंने कहा कि आज जशपुर जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। जिले में मेडिकल कॉलेज, हॉर्टीकल्चर कॉलेज, उद्यानिकी कॉलेज की स्थापना से युवाओं को स्थानीय स्तर पर शिक्षा के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य सेवाओं में भी तेजी से विस्तार हुआ है। उन्होंने बताया कि फरसाबहार में सत्य साईं सत्संग ट्रस्ट अस्पताल खुलने जा रहा है, जो लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देगा। कृषि क्षेत्र में नाशपाती, महुआ जैसे उत्पादों को नई पहचान मिली है। महुआ अब केवल शराब का प्रतीक नहीं, बल्कि व्यंजनों और आर्थिक सशक्तिकरण का साधन बन गया है। उन्होंने कहा कि मधेश्वर पहाड़ जैसे धार्मिक स्थल जिले को पर्यटन मानचित्र पर स्थापित कर रहे हैं। जशपुर आज हर क्षेत्र में विकास की गाथा लिख रहा है।

आदिवासी विकास विभाग की प्रस्तुतियों से गूंजा मंच

राज्योत्सव समापन समारोह की शुरुआत आदिवासी विकास विभाग के दलों की पारंपरिक प्रस्तुतियों से हुई। नटकेला, कुनकुरी, मनोरा, बगीचा, जशपुर और ईचकेला के जनजाति कलाकारों ने एक से बढ़कर एक सुआ, करमा, सरहुल आदि लोकनृत्य और लोकगीत प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। ईचकेला दल द्वारा प्रस्तुत लोकगीत ने वातावरण में लोकसंस्कृति की सुगंध घोल दी, वहीं मनोरा और बगीचा के कलाकारों की तालबद्ध नृत्य प्रस्तुति ने दर्शकों से खूब सराहना पाई।

स्वास्थ्य विभाग का नाटक रहा आकर्षण का केंद्र

स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रस्तुत सामाजिक संदेश से भरपूर नाटक ने लोगों को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। नाटक की प्रभावशाली प्रस्तुति और संवादों ने दर्शकों को गहराई तक प्रभावित किया। नाटक के माध्यम से 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ में सुदृढ़ हुई स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में बताया गया।

संस्कृति और परंपरा का हुआ संगम

कार्यक्रम में कोमल जैन द्वारा स्वरचित छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति के रूप में भीम सुमन लोक कला मंच जशपुर के सदस्यों द्वारा जशपुर की मिट्टी की महिमा का गुणगान किया गया। सुंदर लोकगीतों के माध्यम से जशपुर की परंपरा और संस्कृति तथा यहां मौजूद मधेश्वर पहाड़, खुड़िया रानी, देशदेखा, कैलाश गुफा एवं अन्य पर्यटन स्थलों का वर्णन किया गया। कार्यक्रम के दौरान दर्शक पारंपरिक गीत-संगीत की धुनों पर झूमते नजर आए। मंच पर विविधता से भरे प्रदर्शन ने यह संदेश दिया कि जशपुर जिला न केवल प्राकृतिक सौंदर्य में समृद्ध है बल्कि अपनी सांस्कृतिक धरोहर में भी अनुपम है।

महाविद्यालयीन छात्राओं की प्रस्तुतियों में झलकी युवा ऊर्जा

जिला स्तरीय राज्योत्सव के अंतिम दिन विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने मंच पर अपनी कला का प्रदर्शन किया। शासकीय रामराएनईएस स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जशपुर नगर के विद्यार्थियों ने सुवा, कर्मा, सरहुल और छत्तीसगढ़ी नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। शासकीय विजय भूषण सिंह देव कन्या महाविद्यालय, जशपुर नगर तथा शासकीय बाला साहब देशपांडे महाविद्यालय, कुनकुरी के विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी नृत्य प्रस्तुत किए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया अवलोकन जशपुर पुलिस की रचनात्मक पहल की सराहना

छत्तीसगढ़ राज्य के 25वें स्थापना दिवस पर नया रायपुर में आयोजित भव्य राज्योत्सव में पुलिस विभाग की नाट्य प्रस्तुति "दंड से न्याय की ओर"इन दिनों दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।नए आपराधिक कानूनों पर आधारित यह नाटक पुलिस विभाग की रचनात्मक पहल है, जिसमें कानून की जटिल प्रक्रियाओं को सरल और जीवंत रूप में मंच पर उतारा गया है।राज्योत्सव के पुलिस पंडाल में प्रतिदिन प्रस्तुत किया जा रहा यह नाटक अपने सारगर्भित संवादों और यथार्थपूर्ण अभिनय से दर्शकों का मन मोह रहा है।

मुख्यमंत्री ने की प्रशंसा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वयं इस नाट्य प्रस्तुति का अवलोकन किया और इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह की प्रस्तुतियाँ न केवल जनजागरण का सशक्त माध्यम बनती हैं, बल्कि नागरिकों को नए कानूनों की जानकारी सरल, सहज और मनोरंजक ढंग से प्रदान करती हैं।नाटक का निर्देशन एसएसपी जशपुर शशि मोहन सिंह ने किया है, जबकि सहायक निर्देशन का दायित्व प्रसिद्ध नाट्यकर्मी डॉ. आनंद पाण्डेय ने संभाला।

कानून की नई सोच 'दंड' नहीं, 'न्याय' की ओर

पुलिस मुख्यालय की सीआईडी शाखा द्वारा तैयार यह नाटक पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम की परिकल्पना और आईजी श्री ध्रुव गुप्ता के मार्गदर्शन में साकार हुआ है। यह नाटक भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम पर आधारित है जिनके माध्यम से न्याय व्यवस्था को अधिक ⏭ शेष पेज 4 पर

पर्यटन स्थलों पर रही भीड लोगों वन विहार में रहे व्यस्त

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने नदी में किया दीपदान

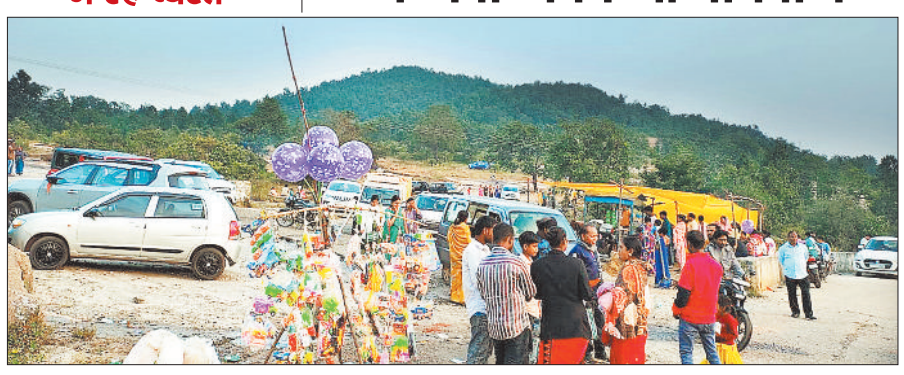

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर बुधवार को लोगों ने दीपदान किया। वहीं दिन भर पर्यटन स्थलों पर वन भोज व भ्रमण का लोगों ने खूब लुफ्त उठाया। हिंदू धर्मावलंबियों में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर दीप दान को विशेष महत्व का माना जाता है। श्रद्घालुओं ने बुधवार तड़के सुर्योदय पूर्व जलाशयों में स्नान कर दीप दान करते देखे गए।

जिले भर में कार्तिक पूर्णिमा को लेकर उत्साह देखा गया। वहीं बुधवार को लोग वन विहार एवं वनभोज में व्यस्त रहे। पिकनिक स्पाटों, पर्यटन स्थलों में दिन भर अपने परिवार दोस्तों के साथ लोग पिकनिक का मजा लेते रहे। धार्मिक महत्व के पिकनिक स्थलों पर कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी हुआ। पं मनोज रमाकांत मिश्र ने बताया कि इस दिन दीपदान का विशेष महत्व होता है और भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। वहीं जिले में इस दिन पर पिकनिक की विशेष पंरपरा है। वहीं एक दजर्न से अधिक स्थानों पर मेले का आयोजन किया गया। कार्तिक पूर्णिमा पर सुबह से ही बच्चे, युवा, महिलाएं सभी परिवार दोस्तों सहित पिकनिक के लिए पर्यटन स्थलों की ओर कूच करने लगे थे। दोपहर तक शहर की सड़कों पर और दिनों की तुलना में चहल-पहल कम हो गई थी। व्यवसायिक प्रतिष्ठानें खुली रहीं पर दुकानों में ग्राहकों की संख्या कम रही। शहर की पूरी रौनक पर्यटन स्थलों पर सिमट गई थी। दोपहर होते-होते शहर के आसपास स्थित पर्यटन स्थल लोगों की भीड़ से भर गई थी। जो शाम तक बनी रही। शहर से लगे दमेरा, रानीदह में पूजा, अर्चना के साथ मेले का आयोजन किया गया।

झारखंड सीमा पर रामरेखा धाम में विशाल मेले का आयोजन

पर्यटन स्थलों पर कई कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। नगर के लोगों में कार्तिक पूर्णिमा के दिन पर्यटन स्थल पर पिकनिक मनाने की परंपरा है। दमेरा, गुल्लू जलप्रपात, कोमड़ो, किनकेल, रानीदह, पनचक्की, देशदेखा आदि स्थानों में पिकनिक मनाने के लिए लोग पहुंचे हुए थे। लोग सपरिवार पिकनिक का आनंद लेते हुए दिखे। कई युवा पिकनिक और भोज के साथ संगीत का भी मजा लेते दिखे और मस्ती भरे गानों में थिरकते रहे।

पश्चिम बंगाल से काम करने आए युवक की मैनपाट में हत्या

अम्बिकापुर। सरगुजा के मैनपाट में युवक की हत्या का मामला सामने आया है। क्षेत्र के कुदारीडीह बस्ती के समीप युवक का शव रक्तरंजित हालत में मिला है। मृतक पश्चिम बंगाल से आकर मैनपाट के एक रिसॉर्ट में सेंट्रिंग का काम कर रहा था। इस घटना के बाद से मृतक का एक साथी भी फरार है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि युवक ने ही अपने साथी की हत्या की है। बताया जा रहा है कि मंगलवार की सुबह स्थानीय लोगों ने कुदारीडीह बस्ती के समीप पत्थरों के समीप एक युवक का खून से सना हुआ शव मिला। ग्रामीणों ने गांव में शव मिलने की घटना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद कमलेश्वरपुर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मृतक की पहचान शुरू की गई। इस दौरान मृतक की पहचान पश्चिम बंगाल के परगना निवासी 45 वर्षीय राजू कर्मकार आ. निरंजन कर्मकार के रूप में की गई। अब तक की जांच में यह बात सामने आई है कि मैनपाट के कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुदारीडीह में वसुंधरा हिल्स रिसॉर्ट का काम चल रहा है। रिसॉर्ट के निर्माण हेतु सेंट्रिंग का काम करने के लिए पश्चिम बंगाल से मजदूर आए हुए है। मजदूर रिसॉर्ट के समीप ही रहकर काम करते है। मृतक राजू भी इन्ही मजदूरों में से एक था। पुलिस द्वारा शव को पंचनामा उपरांत मर्च्युरी में रखवाया गया है और परिजन को घटना की सूचना दे दी गई है।

प्रियवंदा ने नीतिन नबीन के पक्ष में किया प्रचार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रियवंदा सिंह जूदेव ने बिहार में चल रहे विधानसभा चुनाव में पटना के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में सघन चुनाव प्रचार किया। इस दौरान वे भाजपा के प्रदेश कार्यालय पहुंची। यहां पदाधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया और उनके दादा बसंत नारायण सिंह का जनसंघ के जमाने में किये गए योगदान को याद किया।

- पार्टी पदाधिकारियों ने किया दादा बसंत नारायण सिंह को याद

उल्लेखनिय है कि बांकीपुर विधानसभा सीट से बिहार के नीतिश कुमार मंत्रीमंडल के लोक निर्माण विभाग के मंत्री नीतिन नबीन चुनावी मैदान में हैं। नीतिन नबीन छत्तीसगढ़ के भाजपा के संगठन प्रभारी है। उनका जशपुर के राज परिवार से घनिष्ठ संबंध रहा है। चुनाव के दौरान नीतिन नबीन के समर्थन में प्रियवंदा सिंह ने महिला मोर्चा के साथ मिल कर कमान सम्हाला। उन्होनें विधानसभा क्षेत्र के गली-मुहल्लों में घर और बाजार में संपर्क कर मतदाताओं को बीते 20 साल के दौरान बिहार में एनडीए सरकार द्वारा किये गए विकास कार्यो और केंद्र सरकार द्वारा किये जा रहे कामों की जानकारी दे कर वोट देने की अपील की। उन्होनें कहा कि एनडीए सरकार के मुखिया नीतिश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने बिहार को लालू यादव के जंगल राज से मुक्ति दिलाई। इसी बिहार में महिलाओं के साथ होने वाले अपराध,सामूहिक नरसंहार, लूट, डकैती एक समय पूरे देश में बिहार की पहचान बन गई थी। अब उसी बिहार को लोग नितिश कुमार के सुशासन और सख्त कानून व्यवस्था के रूप में जानते व पहचानते हैं। उन्होनें कहा कि एनडीए ने अपनी घोषणा में पत्र में विकास के साथ युवाओं को रोजगार देने का वायदा किया है। यह आने वाले दिनों में नए बिहार के विकास की नई इबारत साबित होगी।

प्रदेश कार्यालय में हुआ स्वागत

प्रचार अभियान के बाद प्रियवंदा सिंह जूदेव पटना में स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में पहुंची। यहां उन्होनें भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े,केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता अजीत कुमार लाली ने प्रियवंदा सिंह जूदेव के दादा बसंत नारायण सिंह के अविभाजीत बिहार में जनसंघ और भाजपा में किये गए कार्यो को याद किया। उन्होनें बताया कि दिवंगत बसंत नारायण सिंह 1975 में जनसंघ के प्रदेश अध्यक्ष थे। उनकी छाया चित्र अब भी प्रदेश अध्यक्ष के कक्ष में लगी हुई है। वहीं केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने प्रियावंदा सिंह जूदेव के ससुर पूर्व केंद्रीय मंत्री दिलीप सिंह जूदेव के साथ अपने संबंधों को याद किया।

जशपुर जम्बूरी 2025' का शुभारंभ पारम्परिक होमस्टे, दोना-पत्तल और जनजातीय रंग बना आकर्षण का केंद्र

जशपुर की वादियों में झूमेगा रोमांच, संस्कृति और परंपरा का अद्भुत संगम

जशपुरनगर। हरी-भरी वादियां, झरनों की कल-कल और जनजातीय संस्कृति की सुगंध से महक उठा है जशपुर। यहां के हर मोड़ पर आज रोमांच है, उत्सव है और परंपरा की झंकार है। छत्तीसगढ़ के उत्तर अंचल की इस प्राकृतिक धरती पर आज से शुरू हुआ 'जशपुर जम्बूरी 2025' एक ऐसा पर्व जहां पहाड़ बोलते हैं, परंपराएँ गाती हैं और संस्कृति अपने पूरे वैभव के साथ झूम उठती है।

चार दिन तक जशपुर की वादियां बनेंगी रोमांच

लोककला और आत्मगौरव का संगम स्थल, जहां आधुनिक पर्यटन और जनजातीय आत्मा का अनोखा मेल देखने को मिलेगा,साथ ही युवाओं को मिलेगा रोमांचजह वे अपनी हुनर का धर देंगे।जिला प्रशासन ने आयोजन की सभी तैयारियाँ पूरी कर ⏭ शेष पेज 4 पर

पारम्परिक होमस्टे बने मेहमाननवाज़ी का प्रतीकः इस वर्ष 'जशपुर जम्बूरी'का सबसे बड़ा आकर्षण हैं पारम्परिक होमस्टे, जिन्हें ग्रामीणों और कारीगरों ने जशपुर की परंपरागत शैली में तैयार किया है। कुल आठ मडहाउस (होमस्टे) बनाए गए हैं, जिनकी दीवारें मिट्टी से पुती हैं, खपरैल की छतें हैं और आंगन में तुलसी चौरा सजा है। भीतर बांस, लकड़ी और मिट्टी के बर्तन सजे हैं जो जशपुर की लोक-संस्कृति का जीवंत अनुभव कराते हैं। हर होमस्टे में स्थानीय परिवार स्वयं मेजबानी कर रहा है, ताकि पर्यटकों को "घर से दूर घर" का अनुभव मिल सके। जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल पर्यटन नहीं, बल्कि जशपुर की आत्मा उसकी सादगी, उसकी परंपरा और उसकी आतिथ्य भावना को जीवित रखना है। पारम्परिक होमस्टे इसी भावना के प्रतीक हैं।"

दोना-पत्तल में परोसे जाएंगे स्थानीय स्वाद

महोत्सव की भोजन व्यवस्था भी पूरी तरह पारम्परिक और पर्यावरण हितैषी रखी गई है। मेहमानों को भोजन दोना-पत्तल में परोसा जाएगा ताकि प्लास्टिक का उपयोग न हो और पर्यावरण की रक्षा भी हो। स्थानीय व्यंजन अपनी देसी खुशबू और सादगी से हर स्वाद को खास बना देंगे। भोजन के दौरान लोकधुनों की पृष्ठभूमि में बैठकर मेहमान 'जशपुर की मिट्टी'का असली स्वाद चखेंगे।

संभाग स्तरीय सरस मेला 2025 में महिला सशक्तिकरण की दिखेगी झलक

जशपुरनगर। जिला प्रशासन जशपुर एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के संयुक्त तत्वावधान में संभाग स्तरीय सरस मेला – 2025 का आयोजन जशपुर में किया जाएगा। इसका आयोजन 06 से 09 नवम्बर 2025 तक विकासखण्ड कुनकुरी के ग्राम मयाली में किया जाएगा। यह मेला आत्मनिर्भर ग्रामीण महिलाओं के हुनर, कौशल एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। मेला में जशपुर सहित सरगुजा संभाग के समस्त जिलों सरगुजा, बलरामपुर, सूरजपुर, कोरिया एवं मनेन्द्रगढ़ - चिरमिरी -भरतपुर से 03 से 05 स्व-सहायता समूह सदस्य शामिल होंगे। लगभग 20 से 30 स्टॉलों के माध्यम से समूहों द्वारा स्थानीय उत्पाद, हस्तशिल्प, वनोपज आधारित वस्तुएँ तथा पारंपरिक कलाकृतियों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जाएगा। साथ ही, लोकसंस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम मेला की शोभा बढ़ाएँगे। यह मेला ग्रामीण अंचलों की महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाने के साथ ही जशपुर जिले की समृद्ध परंपरा, लोककला एवं उद्यमशीलता को एक मंच प्रदान करेगा।

खबर संक्षेप

अनुकंपा नियोजन के लिए एसओपी समीक्षा की बैठक 8 को

बिश्रामपुर। अनुकंपा नियोजन के एसओपी की समीक्षा के लिए गठित सब कमेटी की दूसरी बैठक 8 नवंबर को होगी, वहीं कोल इंडिया वेलफेयर बोर्ड की 54 वीं बैठक 17 महीने बाद 7 नवंबर को होगी,एसओपी समीक्षा कमेटी की पहली बैठक 4 सितंबर को दिल्ली में हुई थी,जिसमें आश्रित बेटियों को एक जुलाई 2021 से नियोजन देने की मांग यूनियन प्रतिनिधियों द्वारा जोर शोर से उठाया गया था, लेकिन सहमति नहीं बन पाई। इस बैठक में सहमति होने के आसार बताए जा रहे हैं। इस कमेटी की बैठक में एसईसीएल के निदेशक एचआर विरंची दास, ईसीएल के निदेशक एचआर जीके सिन्हा, सीआईएल के मैनेजर एचआर रितिका श्रीवास्तव और बीएमएस से संजय चौधरी, एटक से लखनलाल महतो, एचएमएस से शिवकुमार यादव और सीटू से आरपी सिंह शामिल होंगे। ज्ञात हो कि सीआईएल वेलफेयर बोर्ड की 53 वीं बैठक 29 जून 2024 को नागपुर में हुई थी। इसके बाद बोर्ड के सदस्यों ने एनसीएल का दौरा किया था। बैठक में सीआईएल के निदेशक एचआर विनय रंजन के अलावा सभी अनुषंगी कंपनियों के निदेशक एचआर, सिंगरेनी के डीपी और सीटू के पीएस पांडेय, बीएमएस के टिकेश्वर सिंह, एटक से अशोक यादव एवं एचएमएस से एसपी बेहरा शामिल होंगे।

पूर्व पिलखा नायब तहसीलदार मानिकपुरी हुए सेवानिवृत्त

बिश्रामपुर। प्रशासनिक सेवा में तीन दशकों से अधिक ड्यूटी कर रहे पिलखा उपतहसील बिश्रामपुर के पूर्व नायब तहसीलदार रामबिलास

मानिकपुरी 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हो गए हैं,अपने सादगीपूर्ण स्वभाव, कार्यकुशलता के लिए चर्चित रहे श्री मानिकपुरी ने 35 वर्षों तक राजस्व विभाग में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दीं,मूलतः ग्राम दतिमा निवासी आर.बी मानिकपुरी ने अपने कैरियर की शुरुआत एक शासकीय स्कूल से पढ़ाई करके शुरू की थी,उन्होंने 25 वर्ष पटवारी,7 वर्ष राजस्व निरीक्षक तथा 3 वर्ष नायब तहसीलदार के रूप में कार्य करते हुए न केवल विभाग में अपनी दक्षता का परिचय दिया बल्कि आमजन के बीच एक सरल अधिकारी के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई,सेवानिवृत्ति पर सहकर्मियों व अधिकारियों ने उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया है, उनकी सेवानिवृत्ति पर सहकर्मियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ सुखद एवं सक्रिय जीवन की मंगलकामना की है।

किसानों को दिया गया डीडीएसआर पद्धति से बुआई का प्रशिक्षण

लखनपुर। विकासखंड के ग्राम लहपटरा में किसान क्राफ्ट द्वारा किसानों के लिए सूखे सीधी बुआई धान (डीडीएसआर) प्रौद्योगिकी पर प्रदर्शन एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर किसानों को बताया गया कि सूखे सीधे बीज वाले धान की तकनीक पारंपरिक धान की खेती की तुलना में 50 प्रतिशत तक कम पानी का उपयोग करती है तथा इससे उर्वरक, कीटनाशक, श्रम लागत और ग्रीनहाउस गैस (मीथेन) उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आती है। जहां पारंपरिक धान की एक किलोग्राम उपज के लिए लगभग 5000 लीटर पानी की आवश्यकता होती है वहीं डीडीएसआर पद्धति में यह मात्रा 2000 से 2500 लीटर के बीच रहती है। कृषि विज्ञान केंद्र वैज्ञानिक डॉ. पांडुराम पैकरा ने पानी और संसाधनों की कमी के बावजूद उत्पादन बढ़ाने के लिए ड्राई डायरेक्ट सीडेड राइस तकनीक अत्यंत उपयोगी है। किसान क्राफ्ट द्वारा विकसित नई किस्में न केवल कम पानी में बेहतर उपज देती हैं बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बनाए रखती हैं। किसान क्राफ्ट के डेवलपमेंट मैनेजर किशनजीत सिन्हा ने बताया कि इस तकनीक में नर्सरी, पानी में रोपाई और भूमि समतलीकरण की आवश्यकता नहीं होती। जोनल मैनेजर सुधांशु मिश्रा ने बताया कि कंपनी का उद्देश्य सीमांत किसानों की आय बढ़ाने और उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है।

बारिश प्रभावित कृषकों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

वाड्रफनगर। पिछले दिनों हुई बारिश से प्रभावित कृषकों ने पिछड़ा वर्ग कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनिल कुशवाहा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में किसानों का कर्ज माफ करने, बारिश से क्षतिग्रस्त फसल का मुआवजा भुगतान करने एवं बचे धान की खरीदी करने की मांग की गई है। कृषकों ने बताया कि पिछले दिनों रूक-रूक कर हुई बारिश से धान की तैयार खड़ी फसल लेट गई है तथा खेतों में भरे पानी में भींगने के कारण बालियों से अंकुर निकल रहे हैं। कहीं फसल भी भींगकर खराब हो गई तथा बालियों का रंग बदल गया है। साथ ही बालियां अंकुरित हो रही है। वर्षा से किसानों को भारी आर्थिक क्षति हुई है। बारिश से क्षतिग्रस्त फसल का मुआवजा नहीं मिला तो किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। अनिल कुशवाहा ने कहा कि किसानों की मेहनत को सुरक्षित रखना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। राज्य सरकार को शीघ्र राहत पैकेज, कर्जमाफी एवं मुआवजा की घोषणा करनी चाहिए।

तहसील कार्यालय का चक्कर लगा रहे किसान

शंकरगढ़ क्षेत्र में धान खरीदी से पहले किसानों में मायूसी, कई किसानों का रकबा शून्य दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ शंकरगढ़

धान खरीदी से पूर्व ही शंकरगढ़ क्षेत्र के किसानों में मायूसी छा गई है। आलम यह है कि किसान खेतों में तैयार धान की फसल की कटाई करने के बजाय तहसील कार्यालय का चक्कर लगाने को मजबूर है। हैरान की बात तो यह है कि धान खरीदी से पूर्व ही शंकरगढ़ क्षेत्र के कई किसानों का रकबा शून्य दर्ज किया है जबकि किसान कई सालों से उसकी रकबा से धानी की विक्रय करते आ रहे है। गिरदावरी में बरती गई लापरवाही का खामियाजा अब किसानों को भुगतना पड़ रहा है और कार्यालय का चक्कर लगाने को मजबूर है।

खास बात

- उसी रकबा से किसान वर्षो से बेच रहे थे अपनी उपज

प्रदेश में 15 नवम्बर से धान खरीदी की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है, लेकिन धान खरीदी से पूर्व ही शंकरगढ़ क्षेत्र के किसानों में इस बार मायूसी का माहौल है। पंजीयन में संशोधन कराने वाले कई किसानों के नाम पर इस बार धान का रकबा शून्य दर्ज किया गया है। किसानों का कहना है कि उनके नाम पर जमीन दर्ज है और वे वर्षों से नियमित रूप से धान विक्रय करते आ रहे हैं, बावजूद इसके इस बार उनके खातों में रकबा शून्य कर दिया गया है। प्रदेश सरकार ने इस वर्ष प्रति एकड़ 21 क्विंटल की दर से धान खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया है। लेकिन पंजीयन और गिरदावरी में लापरवाही के कारण कई किसानों की मेहनत की फसल मंडी तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। किसानों का आरोप है कि तहसील स्तर पर गिरदावरी करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों ने बिना वास्तविक निरीक्षण किए कागजों पर ही काम निपटा दिया जिससे कई किसानों का रकबा कम या शून्य कर दिया गया है। ऐसे में किसानों को अब अपनी जमीन और फसल का रकबा सुधरवाने के लिए तहसील कार्यालय का लगातार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

तहसील कार्यालय के सामने मौजूद किसान।

करते है 20 किमी लंबी दूरी तय

धान खरीदी से पूर्व ही शंकरगढ़ क्षेत्र के कई किसानों का रकबा शून्य दर्ज करने से अब किसानों की परेशानी काफी बढ़ गई है। ग्रामीण इलाकों से 10 से 20 किलोमीटर दूर से आने वाले किसानों को इसके चलते भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। किसानों का कहना है कि गिरदावरी करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के लापरवाही के कारण ऐसी स्थिति निर्मित हुई है। समय पर धान बिक्री कर सके इसके लिए आवेदन में सुधार करवाने के लिए उन्हें टाइपिस्टों या दलालों को 200 से 500 रुपये तक भुगतान करना पड़ रहा है। एक दिन में काम नहीं होने पर उन्हें पुनः दूसरे दिन भी लंबी दूरी तय कर कार्यालय आना पड़ता है।

दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

गिरदावरी में की गई गड़बड़ी को लेकर किसानों में भारी आक्रोश है। किसानों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि ऐसे मामलों की तत्काल जांच कर जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए। जिन किसानों का रकबा शून्य या कम दर्ज हुआ है, उनके दस्तावेजों का सत्यापन कर शीघ्र सुधार किया जाए, ताकि किसान अपनी मेहनत की फसल को समर्थन मूल्य पर बेच सकें।

जल्द सुधार किया जाएगा

शासन द्वारा किसानों के धान गिरदावरी के लिए गांव-गांव से कर्मचारी नियुक्त किए गए थे। उनकी लापरवाही के कारण कुछ किसानों का रकबा कम या शून्य दर्ज हो गया है। ऐसे मामलों का सुधार जल्द ही किया जाएगा।

-गजराज सिंह, नायब तहसीलदार

केशवनगर स्थित महिला की जमीन को फर्जी तरीके से हड़पने की कोशिश

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

ग्राम पंचायत केशवनगर स्थित भूमि पर एक महिला द्वारा फर्जी तरीके से जमीन रजिस्ट्री कराए जाने का आरोप लगाते हुए मामले की शिकायत बिश्रामपुर पुलिस से की गई है,बिश्रामपुर पुलिस को दिए ज्ञापन में लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जमगला निवासी फूलवासो पति बीरबल ने उल्लेख किया है कि उसकी जमीन ग्राम केशवनगर में स्थित है, जिसका खसरा नंबर 889/12 और 1071/6 है,कुल रकबा 0.090 और 0.020 हेक्टेयर की यह भूमि उसके नाम पर दर्ज थी, लेकिन 27 जून 2025 को नागेश सिंह आर्मो नामक व्यक्ति ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर और पहचान बदलकर यह जमीन अपने नाम रजिस्ट्री करा ली है।

- पुलिस में हुई शिकायत

मामले में सबसे बड़ा खुलासा यह हुआ कि आरोपी ने रजिस्ट्री के दौरान फूलकुंवर नाम की महिला को फूलवासो बताकर दस्तावेज तैयार कराया,जबकि वास्तव में दोनों अलग-अलग महिलाएं हैं,फूलवासो ने जब इसकी जानकारी प्राप्त की,तो उन्होंने तत्काल दस्तावेजों की जांच कराई,जांच में पाया गया कि नाम और हस्ताक्षर दोनों में गड़बड़ी की गई है,जिससे साफ संकेत मिलते हैं कि यह सोची-समझी साजिश के तहत किया गया फर्जीवाड़ा है,आवेदिका का कहना है कि इस घटना से उसका परिवार मानसिक तनाव और आर्थिक संकट से गुजर रहा है,उन्होंने कहा कि वर्षों की मेहनत से अर्जित जमीन पर कब्जा करने के लिए यह जालसाजी और धोखाधड़ी की गई है,फूलवासो ने मांग की है कि पुलिस आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उसकी जमीन वापस दिलाए, इस संबंध में बिश्रामपुर पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में यह मामला भूमि विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है,पुलिस ने आवेदिका को न्यायालय की शरण में जाने की सलाह दी है, ग्रामीणों का कहना है कि अब आए दिन ऐसे फर्जीवाड़े और दस्तावेजी धोखाधड़ी के मामले सामने आ रहे हैं, जिनसे गरीब ग्रामीण लोगों को सबसे ज्यादा नुकसान झेलना पड़ता है।

साइबर फ्रॉड होने पर तत्काल करें पुलिस को कॉल : एसएसपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सूरजपुर

आज का दौर डिजिटल है, आधुनिकता के दौर में पैसा ट्रांसफर करना और मंगाना अब काफी सरल हो गया है किन्तु साइबर अपराधी इसी आधुनिकता का गलत फायदा उठाकर लोगों को झांसे में लेकर उनकी मेहनत की कमाई संदिग्ध लिंक पर टच करा अथवा बहकावे में लेकर ओटीपी की जानकारी हासिल करते हुए साइबर फ्रॉड को अंजाम दे रहे है। साइबर अपराध से बचाव का सबसे कारगर तरीका है खुद जागरूक रहकर सतर्कता बरतना और लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करना है। उक्त बातें स्वामी आत्मानंद स्कूल प्रेमनगर में आयोजित साइबर सुरक्षा संवाद कार्यक्रम के दौरान एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने कही। इस अवसर पर एसएसपी ने प्रशांत कुमार ठाकुर कहा कि जिले के साइबर सुरक्षा संवाद कार्यक्रम को आम जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। जागरूकता के आयोजनों, सोशल मीडिया के माध्यम से लोग लगातार जागरूक हो रहे है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के दौर में तकनीक काम को आसान बना रहा है किन्तु साइबर अपराधी तकनीक का गलत फायदा उठाकर लोगों के पैसे का धोखाधड़ी करने में लगे हुए है। कोई आप से ओटीपी मांगता है तो उसे साफ शब्दों में कहे कि ओटीपी नहीं देंगे हमें कोई काम होगा तो हम बैंक जाकर अपना काम करा लेंगे, किसी संदिग्ध लिंक पर टच न करें, व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से परहेज करते हुए सुरक्षित ऑनलाइन आदते अपनाए। साइबर फ्रॉड होने पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराए जिससे खाता और रकम तुरंत होल्ड किया जा सके।

गुरु नानक जयंती के उपलक्ष्य में हुई तुलसी साहित्य समिति की सरस काव्य गोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

गुरुनानक जयंती के उपलक्ष्य में तुलसी साहित्य समिति द्वारा केशरवानी भवन में यादव विकास की अध्यक्षता, वरिष्ठ अधिवक्ता ब्रह्माशंकर सिंह, सच्चिदानंद पांडेय, रामनारायण शर्मा, चंद्रभूषण मिश्र और डॉ. उमेश पांडेय के आतिथ्य में सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कवयित्री आशा पांडेय ने किया।

गोष्ठी का शुभारंभ मां वीणापाणि और गुरुनानक देव के छायाचित्रों को पुष्पांजलि देकर तथा महाकवि तुलसीदास, एसपी जायसवाल व बीडी लाल द्वारा रचित रामायणों का आंशिक पाठ कर किया गया। गीता मर्मज्ञ पं. रामनारायण शर्मा ने गुरुनानक देव के अवदानों का उल्लेख करते हुए बताया कि वे मानव के रूप में एक ईश्वरीय आत्मा थे। मानव जाति के लिए उनका सबसे बड़ा उपहार मूलमंत्र था, जिसमे सर्वशक्तिमान को एक सर्वव्यापी, एक ईश्वर, निर्माता के रूप में वर्णित किया गया, जो जीवन-मृत्यु से परे तथा सभी जाति, पंथ और धर्म से प्यार करता था। उन्होंने तत्कालीन समाज में व्याप्त कुरीतियों, छुआछूत, जाति प्रथा आदि का प्रबल प्रतिरोध किया। उन्होंने संपूर्ण विश्व को मानवता, भाईचारा, एकता और पारस्परिक सहयोग का संदेश दिया। समाज को सच्चे आचरण, परिश्रम द्वारा नेक कमाई करने तथा मिल-बांटकर खाने की सलाह दी। विचारक ब्रह्मा शंकर सिंह ने गुरु नानक के जीवन को मानवता का प्रकाश बताते हुए कहा कि उनका दिव्य ज्ञान ईश्वरीय पथ को प्रशस्त करता है। उनकी करुणा सभी प्राणियों पर बिना भेदभाव के बरसती है। वे एक ऐसे साहसी समाज सुधारक थे, जिन्होंने ईश्वरीय मार्ग और कर्मकांडों के बीच बडे. अंतर को स्पष्ट किया। उन्होंने दो दशक से भी अधिक समय तक अपने मूल मंत्र के सार का प्रचार ज्ञात दुनिया के कोने-कोने में किया। वे जहां भी गए सब ओर खुशी और संतोष ही बांटा। दंड देने की शक्ति होने के बावजूद उन्होंने सबको माफ कर सोचने का तरीका बदल दिया। उन्होंने इब्राहिम लोदी, काला जादू करनेवाली कंधारी, सामूहिक हत्या करनेवाला सज्जन ठग-सभी के सुधार में मदद की। पूर्व व्याख्याता सच्चिदानंद पांडेय ने कहा कि गुरुनानक ने सबको महिलाओं का सम्मान करने की सलाह दी। गुरुवाणी का उल्लेख करते हुए बताया कि गुरुनानक ने महिलाओं को पुरूषों से श्रेष्ठ बताते हुए कहा कि हम सब स्त्री से पैदा हुए हैं, गर्भधारण करने वाली स्त्री ही है। स्त्री से विवाह करते हैं, उससे दोस्ती होती है। स्त्री सभी को जन्म दे सकती है। उसी से सभ्यता और व्यवस्था चलती है। स्त्री के बिना कोई अस्तित्व नहीं। पेंशनर्स समाज के जिलाध्यक्ष हरिशंकर सिंह ने भी संबोधित किया और सबको प्रकाश पर्व की बधाई दीं। काव्यगोष्ठी में संस्था के अध्यक्ष मुकुन्दलाल साहू ने गुरुनानक को दिव्य ज्ञान का भवन बताया। कवयित्री माधुरी जायसवाल ने गुरुनानक पर कविता-मानव-सेवा का मार्ग हमें दिखलाया की सुंदर प्रस्तुति दी। आचार्य दिग्विजय सिंह तोमर ने प्रकाश को एक प्रक्रिया बताते हुए सबके जीवन में मंगल की कामना की। डॉ. उमेश पांडेय की कविता ज़िंदगी की राहों में की प्रेरणा दी। कवयित्री आशा पांडेय, युवा कवि विकेश गुप्ता, कवयित्री अंजू प्रजापति, प्रकाश कश्यप, कवि अजय सागर, कवयित्री रोशनी कार्तिक, कवि चंद्रभूषण मिश्र व विनोद तिवारी की कविता ने सबको हंसाने के साथ ही सोचने पर भी मजबूर कर दिया। इस दौरान केशरवानी वैश्यसभा के अध्यक्ष मनीलाल गुप्ता, केके त्रिपाठी, प्रमोद, कमलेश कुमार और अशोक सोनकर उपस्थित रहे।

सीनियर एवं जूनियर सिंगल डांस सेमीफाइनल में प्रतिभागियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

अम्बिकापुर। अनोखी सोच संस्था द्वारा आयोजित अनोखी सोच डांस प्रतियोगिता का सीनियर एवं जूनियर सिंगल डांस सेमीफ़ाइनल राउंड सम्पन्न हुआ। इस राउंड में 25–25 प्रतिभागियों ने मंच पर अपने शानदार नृत्य का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने क्लासिकल, फ्रीस्टाइल, कंटेम्परेरी, और बॉलीवुड जैसे विभिन्न नृत्य शैलियों में प्रस्तुतियां दीं। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों के आत्मविश्वास, भाव-प्रदर्शन, ताल-लय और मंचीय प्रभाव को आधार बनाते हुए निर्णय लिया।

- 8-8 प्रतिभागियों ने बनाई फाइनल में जगह

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हेमंत सिन्हा, हेमंत तिवारी, दुर्गेश गुप्ता, चंद्र प्रताप सिंह, सुदामा कुर्रे, पंकज शुक्ला, विनय शर्मा, शैलू सोनी, बनारसी लाल गुप्ता, अतुल मेहता, भोलानाथ गुप्ता, लल्लू गुप्ता एवं श्रीमती उर्मिला सोनी रहे। अतिथियों ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और संस्था की इस पहल की सराहना की। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सीनियर वर्ग से 8 एवं जूनियर वर्ग से 8 प्रतिभागियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति के दम पर फाइनल राउंड में जगह बनाई। निर्णायक मंडल में श्रीमती रमिन्दर कौर बाबरा, श्रीमती तनुदीप कौर बाबरा, श्रीमती श्वेता सिन्हा, श्रीमती मीरा साहु, सुश्री लावण्या, रणविजय प्रताप सिंह एवं विनायक पांडेय उपस्थित रहे। संस्था के संयोजक ने बताया कि अनोखी सोच डांस प्रतियोगिता का उद्देश्य नए नृत्य प्रतिभाओं को मंच देना और उन्हें प्रोत्साहन प्रदान करना है। सेमीफाइनल में युवाओं की ऊर्जा और जूनियर की लग्न देखकर हमें गर्व महसूस हुआ। फाइनल राउंड की तैयारी जोरों पर है जो 4 नवंबर को होना है। कार्यक्रम का संचालन संस्था के अध्यक्ष सूर्य प्रकाश साहू,संस्था के सदस्य अभय साहू, लालजी साहू एवं अन्य सभी सदस्य सक्रिय रहे ।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने ली संकुल केंद्र प्रभारियों की बैठक

कुसमी। विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनोज गुप्ता, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी नंदलाल कुमार गुप्ता द्वारा संकुल केंद्र घुटराडीह, जवाहर नगर, कोरंधा, सुरबेना, पाकरडीह संकुल केंद्र प्रभारियों की बैठक ली। बैठक में स्पष्ट रूप से दिशा निर्देश देते हुए कहा कि विद्यालय में 100 प्रतिशत छात्र-छात्राओं की उपस्थिति हो। मध्यान्ह भोजन मीनू के अनुसार प्रतिदिन छात्रों को दिया जाए, शिक्षकों की उपस्थिति भी प्रति दिन विद्यालय में होना अनिवार्य हो, परीक्षा की तैयारी करवाते हुए विद्यालय में बच्चों को सामान्य ज्ञान की जानकारी देना प्रतिदिन सुनिश्चित करे। इस दौरान सभी संकुल प्रभारी उपस्थित रहे।

संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय में मनाया गया छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस एवं रजत जयंती महोत्सव

विद्यार्थी इंटरनेट का सुरक्षित तरीके से करें उपयोग : एसएसपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस एवं रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर छत्तीसगढ़ी नक्शा के माध्यम से लोक-संस्कृति, कलाकृतियां एवं महान विभूतियों की झलकियों से सजाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना और मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एसएसपी राजेश अग्रवाल ने साइबर क्राइम और साइबर सुरक्षा पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। साथ ही विद्यार्थियों को इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग, डिजिटल जिम्मेदारी और सामाजिक नैतिकता का पालन करने की प्रेरणा दी। शिक्षा में डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को नई तकनीकों के प्रति सजग रहने की बात कही। राम लखन सिंह पैकरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की आत्मा उसकी संस्कृति और जनजातीय अस्मिता में बसती है। उन्होंने युवाओं से कहा कि अपने क्षेत्रीय गौरव को बनाए रखते हुए शिक्षा और समाजसेवा के माध्यम से राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं। एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लों ने सड़क सुरक्षा, नियमों के पालन और युवाओं में अनुशासन की भावना पर जोर देते हुए कहा कि जागरूक नागरिक ही सशक्त प्रदेश की पहचान होते हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अंजन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की रजत जयंती राज्य की प्रगति, समृद्धि और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। कार्यक्रम की प्रस्तुतीकरण में बी.एड. तृतीय सेमेस्टर के प्रशिक्षार्थियों द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के नक्शे की एक भव्य प्रदर्शनी प्रस्तुत की गई, जिसमें पांच संभाग सरगुजा, रायपुर, दुर्ग, कोरिया और बस्तर में विभाजित कर प्रत्येक संभाग की भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विशेषताओं को दर्शाया गया। सरगुजा संभाग के मैनपाट की सुंदरता, बलरामपुर के प्राकृतिक संसाधन, रायपुर के औद्योगिक विकास, दुर्ग की सांस्कृतिक विविधता और बस्तर की जनजातीय परंपराओं को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की महान विभूतियों की झलकियों को भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें राज्य के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया गया। शहीदों में वीर नारायण सिंह, बीर मुंडा, ध्रुव , और महेंद्र वर्मा की वीरता की कहानियां दिखाई गईं, वहीं वीरांगनाओं में रानी अवंती बाई लोधी, रानी दुर्गावती, बिलासा बाई और राधा बाई के अदम्य साहस को मंचित किया गया। इस दौरान अमृतलाल ध्रुव, गिरीश गुप्ता, अभय तिवारी, बीके विद्या दीदी, राजेश सिंह सिसोदिया,मनोज गुप्ता, मंगल पाण्डेय, संतोष दास, अनिल कुमार मिश्रा, वंदना दत्ता, श्रीमती हिना खान, आलोक शुक्ला, श्रीमती इंदु मिश्रा, श्रीमती प्रीति तिवारी, रजनीश मिश्रा, शालिनी शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

रोमांस के बाद एडल्ट कॉमेडी लेकर आए मिलाप जावेरी

मंबई। रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदसानी की एडल्ट कॉमेडी फ्रेंचाइजी मस्ती का चौथा भाग 'मस्ती 4' का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज हो गया है। 3 मिनट 4 सेकंड के इस ट्रेलर को देखकर पता चलता है कि फिल्म का कॉन्सेप्ट एक बार फिर एडल्ट कॉमेडी ही है। जहां फिल्म के तीनों प्रमुख कलाकार रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदसानी एडल्ट जोक मारते नजर आएंगे। ट्रेलर में भी कई तरह के एडल्ट जोक सुनाई दे रहे हैं। मस्ती 4 का निर्देशन रोमांटिक फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' फेम निर्देशक मिलाप जावेरी ने किया है।

लाइफ Style

यामी

मेरे लिए दर्शक ही सबसे बड़ा पुरस्कार

एजेंसी ⏭ मुंबई

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म हक को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। हक अपनी रिलीज के करीब है और यामी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। विकी डोनर से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली यामी गौतम ने अपने कॅरियर में कई सराहनीय भूमिकाएं भी निभाई हैं।

अब यामी ने कोई बड़ा अवॉर्ड न जीत पाने पर कहा कि इन पुरस्कारों को खोना उन्हें परेशान नहीं करता। इस दौरान भगवत गीता का जिक्र करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि जितना मैंने भागवत गीता को समझा है, भगवान कृष्ण ने अर्जुन से जो कहा वह सच है। ऐसा नहीं है कि मैं सबसे आदर्श इंसान की तरह इतनी अलग हो गई हूं, लेकिन अगर आपमें सफलता और हारने के डर से अलग होने या किसी और के नजरिए से मान्यता पाने की क्षमता है, तो आप ठीक हैं। मैंने किसी से किसी भी तरह की मान्यता लेना बंद कर दिया है। अगर अवॉर्ड मिलता है तो मैं बहुत अच्छी एक्ट्रेस हूं, वरना शायद नहीं हूं। ऐसा मेरे साथ बिल्कुल भी नहीं है। साल 2013 में आई अपनी पहली फिल्म विकी डोनर के लिए यामी ने बेस्ट डेब्यू फीमेल के कई अवॉर्ड जीते थे। लेकिन, उसके बाद कई बड़े अवॉर्ड्स में नामित होने के बाद भी, यामी उन्हें जीत नहीं पाईं। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि अब वह दर्शकों की प्रतिक्रिया से अपनी मान्यता लेती है। मेरे दर्शक मुझे प्यार करते हैं, कुछ निर्देशक और निर्माता मुझ पर दांव लगाने को तैयार हैं, इससे बड़ा पुरस्कार मेरे लिए क्या है। बाकी सब आना जाना है। लेकिन अगर यह किसी को खुश करता है, तो बढ़िया।

हॉलीवुड मसाला

जोनाथन को मिला अजीब टाइटल

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अभिनेता जोनाथन बेली को पीपल मैगजीन ने सेक्सिएस्ट मैन अलाइव 2025 का खिताब दिया है। यह जानकारी सोमवार को जिमी फॉलन के शो में शेयर की गई। इस बात की जानकारी जब जोनाथन बेली को लगी तो उन्होंने अपना रिएक्शन दिया। जिमी फॉलन के शो में ब्रिटिश एक्टर जोनाथन बेली ने बताया कि अपने नए खिताब की जानकारी उन्हें साल की शुरुआत में मिली। वह मजाकिया अंदाज में कहते हैं, मैं खुश हूं कि 2025 में पीपल मैगजीन ने मुझे इस खिताब के लिए चुना। मैं इस अचीवमेंट की कद्र करता हूं।

चाइनाटाउन और वाइल्ड हार्ट से जीता दर्शकों का दिल

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस डायने लैड अब इस दुनिया में नहीं हैं। 200 से अधिक फिल्मों में काम करने वाली अमेरिकी एक्ट्रेस का 89 साल की उम्र में निधन हो गया है। चाइनाटाउन और वाइल्ड एट हार्ट जैसी फिल्मों से दिल जीतने वाली डायने लैड के निधन ने हर किसी को सदमे में डाल दिया है। तीन बार ऑस्कर अवॉर्ड के लिए नॉमिनेशन पा चुकीं एक्ट्रेस की बेटी लॉरा डर्न ने मां के निधन की पुष्टि करते हुए दुखद खबर शेयर की है। लॉरा डर्न ने मां को अद्भुत अभिनेत्री और मां के रूप में एक उपहार बताया है। डायने लैड का वायरल हो रहा आखिरी इंस्टाग्राम पोस्ट कई हफ्ते पहले, 17 सितंबर, 2025 का है। इसमें उन्होंने फैंस के साथ यह खबर शेयर की थी कि उनकी 2020 की फिल्म 'द लास्ट फुल मेजर' को कई प्लेटफार्मों पर ओटीटी रिलीज मिली है।

एक बार फिर अपराध को मिटाने निकलीं

मुंबई। नेटफ्लिक्स की हिट सीरीज 'दिल्ली क्राइम' अपने नए सीजन के साथ वापस लौट रहा है। अब इस सीरीज के तीसरे सीजन का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज किया गया है। जिसे देखकर पता चलता है कि इस बार कहानी पिछले दोनों सीजन से ज्यादा इंटेंस और खतरनाक होने वाली है। इस बार डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी (शेफाली शाह) का मुकाबला हुमा कुरैशी से होगा। तीसरे सीजन में कहानी दिल्ली से आगे निकलती है। 2 मिनट 31 सेकंड के ट्रेलर में दिखाया गया है कि देश के अलग-अलग राज्यों की लड़कियों की तस्करी की जा रही है। इन लडकियों के बेचने का काम हुमा (बड़ी दीदी) करती हैं। इस गिरोह का पर्दाफाश करने की जिम्मदारी शेफाली (डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी) को मिलती है। बड़ी दीदी को पकड़ने के लिए डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी अपनी टीम के साथ लग जाती हैं।

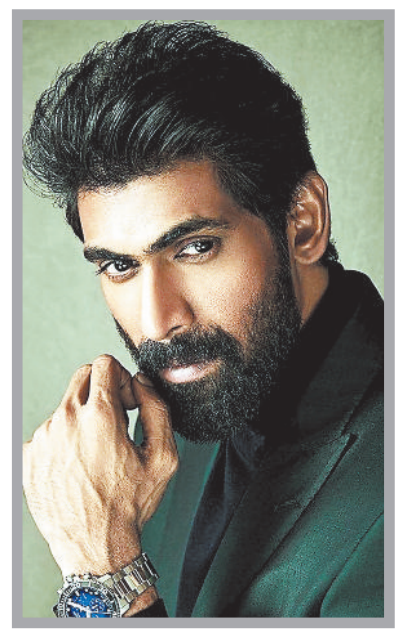

हिंदी फिल्म में काम करेंगे दग्गुबाती

मुंबई। बाहुबली फेम अभिनेता व निर्माता राणा दग्गुबाती की प्रोडक्शन कंपनी स्पिरिट मीडिया ने अपनी पांच आगामी फिल्मों की घोषणा कर दी है। सबसे खास बात कि इस लिस्ट में राणा दग्गुबाती के प्रोडक्शन हाउस की पहली हिंदी फिल्म भी शामिल है। इसमें बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी नजर आएंगे। राणा दग्गुबाती के स्पिरिट मीडिया की पहली हिंदी फिल्म अरविंद अडिगा के लोकप्रिय उपन्यास 'लास्ट मैन इन टावर' का रूपांतरण होगी। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी प्रमुख भूमिका में होंगे। इस फिल्म का निर्देशन अमेरिकी निर्देशक बेन रेखी करेंगे, जिन्होंने पहले आश्रम (2018) और वॉच लिस्ट (2019) का निर्देशन किया था। फिल्म की कहानी भारत की पृष्ठभूमि में नैतिक समझौतों, महत्वाकांक्षाओं और मानवीय रिश्तों की नाजुकता को दर्शाती है।

टीवी मसाला

मॉर्डन लव की जर्नी दिखाएगा शो स्प्लिट्सविला एक्स-6

नई दिल्ली। सीरियल 'कितनी मोहब्बत है'से करण कुंद्रा को पॉपुलैरिटी मिली। इसके बाद वह कई टीवी सीरियल का हिस्सा बने। आगे चलकर रियलिटी शो के होस्ट के तौर पर भी नजर आए। एमटीवी के रोडीज और लव स्कूल को करण कुंद्रा होस्ट कर चुके हैं। जल्द ही वह 'स्प्लिट्सविला एक्स-6' को होस्ट करेंगे। शो में उनकी को-होस्ट सनी लियोनी हैं। 'स्प्लिट्सविला एक्स-6' को लेकर करण कुंद्रा काफी एक्साइटेड हैं। एक बातचीत में कहते हैं, 'मैं 6 साल बाद एमटीवी पर वापस आ रहा हूं, यह बिल्कुल घर लौटने जैसा है। स्प्लिट्सविला शो तो मुझे हमेशा पसंद है। यह शो मॉर्डन लव की जर्नी को दिखाता है। स्प्लिट्सविला के नए सीजन को सनी लियोनी के साथ होस्ट करना एक शानदार एक्सपीरियंस होगा। मैं यह देखने के लिए एक्साइटेड हूं कि कंटेस्टेंट्स क्या नए ट्विस्ट शो में लेकर लाते हैं। मुझे भरोसा है कि यह सीजन पहले से ज्यादा बोल्ड होगा, सरप्राइज से भरा होगा। करण कुंद्रा ने तनुज विरवानी को स्प्लिट्सविला के नए सीजन में रिप्लेस किया है। जहां तक शो के कॉन्सेप्ट की बात है तो इसमें यंग लड़के, लड़कियां एक विला में साथ रहते हैं। यहां पर वह किसी खास शख्स के प्यार को पाने की कोशिश करते हैं। शो के दौरान कंटेस्टेंट्स को कई टास्क भी दिए जाते हैं। शो के आखिरी में एक कपल को विनर बनाया जाता है।

बिग बॉस 19 बन गया जंग का मैदान

नई दिल्ली। बिग बॉस 19 के अपकमिंग एपिसोड के कुछ प्रोमो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। शहबाज का पारा इन वीडियो में काफी गर्म नजर आ रहा है। वह मालती चाहर और तान्या मित्तल से बहसबाजी करते दिख रहे हैं। प्रोमो वीडियो में मालती चाहर ने शहबाज को कहा कि वह अमाल का सहारा ले रहा है। इस पर शहबाज ने मालती को दोगला कहा। शहबाज का कहना था कि कम से कम वह किसी के कंधे पर रखकर बंदूक तो नहीं चलता है।

दोनों की यह बातचीत धीरे-धीरे झगड़े में बदल गई। अमाल मलिक ने बीच में आकर दोनों को चुप कराना चाहा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। एक और प्रोमो वीडियो में तान्या मित्तल को भी शहबाज ने काफी कुछ सुनाया। वह कहते हैं, 'मैं बताता हूं तान्या की सच्चाई। यह हर बात पर रोती है, लोगों को बताना चाहती है कि मैं कितनी अच्छी हूं।' आगे अशनूर ने भी तान्या पर तंज कसा कि वह सिम्पेथी कार्ड खेल रही है। पिछले हफ्ते बिग बॉस 19 से स्टैंडअप कॉमेडियन प्रणीत मोरे बाहर हुए। इस हफ्ते भी कई प्रतियोगी घर से बाहर होने के लिए नॉमिनेट होंगे। इन दिनों शो में सबसे ज्यादा चर्चा में सिंगर अमाल मलिक, तान्या मित्तल और मालती चाहर हैं।

आलिया-शर्वरी की फिल्म अल्फा की रिलीज टली

मुंबई। आलिया भट्ट, शर्वरी वाघ और बॉबी देओल स्टारर अल्फा की रिलीज टल गई है। वीआरएफ स्पाई यूनिवर्स की यह एक्शन एंटरटेनर पहले इसी साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज होने वाली थी। लेकिन अब इसे अगले साल अप्रैल, 2026 तक के लिए पोस्टपोन कर दिया गया है। अब यह फिल्म 17 अप्रैल, 2026 को रिलीज होगी। बताया गया है कि फिल्म के वीएफएक्स का काम अभी बाकी है और इसे बेहतरीन विजुअल एक्सपीरियंस देने के लिए अभी और वक्त लगेगा। 'अल्फा' के साथ ही 'स्पाई यूनिवर्स' में आलिया भट्ट और शर्वरी वाघ की एंट्री होने वाली है। इस फिल्म में अनिल कपूर भी नजर आएंगे, जो हाल ही फ्रेंचाइज की फिल्म 'वॉर 2' में भी नजर आए थे। 'अल्फा' को पोस्टपोन करने का फैसला ऐसे समय आया है, जब फ्रेंचाइजी की पिछली दो फिल्में 'वॉर 2' और 'टाइगर 3' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक कमाई नहीं कर पाईं। समझा जा रहा है कि मेकर्स ऐसे में सीरीज की अगली फिल्म में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। यशराज फिल्म्स के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा है,'अल्फा, हमारे लिए बेहद खास फिल्म है और हम इसे सबसे बेहतरीन सिनेमाई अंदाज में दर्शकों के सामने पेश करना चाहते हैं। हमें एहसास हुआ कि वीएफएस में पहले के अनुमान से अधिक समय लगेगा। हम इसमें कोई भी कमी नहीं छोड़ना चाहते हैं और अल्फा को एक ऐसी थिएट्रिकल एक्सपीरियंस बनाना चाहते हैं, जिसे लोग याद रखें।

किंग में शाहरुख का विलेन राघव और अभिषेक से तगड़ी भिड़ंत, बाप-बेटी मचाएंगे तबाही

शाहरुख खान ने अपने 60वें जन्मदिन पर अपनी फिल्म 'किंग' के टाइटल को रिलीज किया। अब फिल्म से जुड़ी कुछ बातें निकलकर सामने आई हैं। इनमें सबसे बड़ी बात ये है कि फिल्म में दो टाइमलाइन होगी। शाहरुख की लाइफ के अलग-अलग फेज दिखाए जाएंगे।

मुंबई। एक रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख खान के 'किंग' की दो अलग-अलग टाइमलाइन होंगी। कथित तौर पर, एक्टर अपनी लाइफ के कई फेजेस में अपना किरदार निभाते नजर आएंगे। रिपोर्ट की मानें तो शाहरुख खान के किरदार का यंग वर्जन राघव जुयाल से लड़ेगा, जो कथित तौर पर एक खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। इस बीच, रिपोर्ट के अनुसार बड़े किंग विलन अभिषेक बच्चन से भिड़ेंगे। शाहरुख और अभिषेक कई सालों बाद फिर से पर्दे पर साथ नजर आएंगे। दोनों ने आखिरी बार कभी अलविदा ना कहना और हैप्पी न्यू ईयर में साथ काम किया था। वहीं, राघव जुयाल ने हाल ही में शाहरुख के बेटे आर्यन खान के निर्देशन में बनी पहली फिल्म द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग से सभी को चौंका दिया था। इस फिल्म से शाहरुख की बेटी सुहाना खान बड़े पर्दे पर डेब्यू करेंगी। उन्होंने नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से अपने एक्टिंग कॅरियर की शुरुआत की थी। पिता-बेटी की इस जोड़ी के अलावा, फिल्म में अनिल कपूर, दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अरशद वारसी, जयदीप अहलावत, जीशु सेनगुप्ता, अक्षय ओबेरॉय, राघव जुयाल, अभय वर्मा और सौरभ शुक्ला भी हैं। सिद्धार्थ आनंद के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बिना बैट थामे, मैदान के बाहर रहकर असली खिलाड़ी बनकर दिखाया

क्रिकेट बोर्ड के पास नहीं थे पैसे, तब इस एक्ट्रेस ने खुद उठाया पूरा खर्चा

नई दिल्ली। वो अक्सर कैमरे के सामने मुस्कुराती दिखती थीं। कभी क्रिकेट शो होस्ट करते हुए, कभी किसी इवेंट में अपने स्टाइल से सबका ध्यान खींचते हुए। लेकिन, किसी को नहीं पता था कि कैमरे के पीछे वो कुछ ऐसा कर रही थीं, जो इतिहास में दर्ज हो जाएगा। 2000 के दशक की शुरुआत में जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम के पास फंड नहीं था, तब एक टीवी स्टार और एक्ट्रेस ने चुपचाप मदद का हाथ बढ़ाया। आखिर कौन थीं वो बॉलीवुड की इनविजिबल स्पॉन्सर? अगर आप अब तक समझ नहीं पाए हैं तो आपको बता दें कि वह कोई और नहीं, बल्कि बेहद खूबसूरत और ग्लैमरस मंदिरा बेदी हैं।

जब पैसों से नहीं दिल से हुई मदद

दरअसल, मंदिरा बेदी ने उस वक्त महिला क्रिकेट टीम को संभाला जब उनके पास जर्नी तक के पैसे तक नहीं थे। उन्होंने अपनी कमाई, यानी पूरी एंडोर्समेंट फीस, टीम को दे दी ताकि खिलाड़ी विदेश में खेल सकें, टिकट खरीद सकें और तैयारी जारी रख सकें। इतना ही नहीं, उन्होंने एक ज्वेलरी ब्रांड को भी टीम के स्पॉन्सर के रूप में जोड़ने में अहम भूमिका निभाई। ये किसी फिल्मी सक्रिप्ट जैसा था, जहां ग्लैमर वर्ल्ड की स्टार पर्दे के पीछे असली हीरो बन गईं।

जिसने बदलाव की नींव रखी

मंदिरा बेदी की ये मदद उस समय किसी चमत्कार से कम नहीं थी। जब महिला क्रिकेट को लेकर किसी को भरोसा नहीं था, तब उन्होंने बिना किसी शोर के अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। उनकी वजह से खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिला, टीम टूटी नहीं, बल्कि और मज़बूत होती गई। वक्त बीतता गया, हालात बदले और आखिर 2006 में बीसीसीआई ने महिला क्रिकेट को अपने अधीन ले लिया। तब जाकर दुनिया को समझ आया कि कभी किसी ने चुपचाप इस सपने को जिंदा रखा था। मंदिरा बेदी ने बिना बैट थामे, मैदान के बाहर रहकर असली खिलाड़ी बनकर दिखाया।

खबर संक्षेप

शासन के योजनाओं की दी जा रही जानकारी

फोटो_13 से 18 तक

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं को दूरस्थ अंचलों तक पहुंचाने के लिए जनसंपर्क विभाग के कला जत्था दल द्वारा व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है। विगत दिवस जशपुर विकास खंड के ग्राम नारायणपुर में टीम ने लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, कृषि विभाग, मत्स्य पालन, पशुपालन, धान खरीदी,लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से आय जाति निवास सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी सादरी भाषा में दिया जा रहा है। ताकि अधिक से अधिक लोग योजना का लाभ उठा सकें। स्थानीय लोगों को उनकी ही भाषा बोली में जानकारी देकर योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

सिंगीबहार में बंदर का आतंक जारी

जशपुरनगर। जशपुर जिले के सिंगीबहार क्षेत्र में बंदर का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले तीन दिनों से एक बंदर गांव और आसपास के क्षेत्रों में उत्पात मचा रहा है। अब तक 2 दर्जन से अधिक लोग बंदर के हमले में घायल हो चुके हैं, जिनमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। फॉरेस्ट विभाग की टीम ने बंदर को पकड़ने के लिए रेस्क्यू अभियान चलाया, लेकिन वह अब तक पकड़ा नहीं जा सका है। नतीजतन, गांव में दहशत का माहौल और बढ़ गया है। ग्रामीणों ने बताया कि बंदर अब घरों में घुसकर रसोई और किचन में रखे भोजन को खा रहा है, बर्तन और सामान को बर्बाद कर रहा है। कई घरों में उसने तोड़फोड़ भी की है। लोग दिनभर बंद दरवाजों के पीछे रहने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन और वन विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द बंदर को पकड़ा जाए और जंगल में छोड़ा जाए, ताकि गांव के लोग राहत की सांस ले सकें। फिलहाल सिंगीबहार और आसपास के इलाकों में बंदर का आतंक जारी है।

42 वां स्थान प्राप्त कर गौरव बने सीए

खरसिया। नगर के मेधावी छात्र गौरव अग्रवाल ने सीए की परीक्षा में पूरे भारत मे 42 वां स्थान प्राप्त कर नगर का मान बढ़ाया है। खरसिया के मुकेश अग्रवाल के पुत्र गौरव अग्रवाल प्रारम्भ से ही मेधावी छात्र रहे हैं। गौरव की प्रारंभिक शिक्षा अमलडीहा, शंकराचार्य स्कूल तथा छाल के डीएवी स्कूल में हुई है। गौरव अग्रवाल ने चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक में 42 वां स्थान प्राप्त कर पूरे खरसिया नगर को गौरान्वित किया है। गौरतलब है कि गौरव ने अपने प्रथम प्रयास में ही यह सफलता प्राप्त की है।

अवैध धान परिवहन को रोकने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखें

कलेक्टर ने धान खरीदी से पहले केन्द्रों में सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

समय सीमा की बैठक लेते कलेक्टर।

कलेक्टर रोहित व्यास ने मंगलवार को साप्ताहिक समय सीमा की बैठक लेकर धान खरीदी की तैयारी की समीक्षा की उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी धान खरीदी केन्द्रों में पानी, बिजली, नए और पुराने बारदाने की व्यस्था, नमी मापने की मशीन, कांटा बांट, कम्प्यूटर, धान को बारिश से बचाने के लिए कैंप कवर, तराजू बैनर पोस्टर, आदि जरूरी सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

सभी चेक पोस्ट पर अधिकारीयों और कर्मचारीयों की ड्यूटी लगाने के लिए भी कहा गया है। इसके साथ ही उड़ीसा और झारखंड सीमा पर भी विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। ताकि कोचिया और बिचोलिए अवैध धान को न खपा सके सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अवैध धान खपाने की सूचना मिलने पर धान जप्त कर कारवाई करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि धान खरीदी केन्द्रों के सत्यापन के लिए जिन जिन अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जानी है। वे मौके पर जाकर सही सत्यापन करेंगे और खरीदी केन्द्रों में जो भी समस्या आ रही होगी उसकी जानकारी जिला प्रशासन को अनिवार्य रूप से देंगे। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को राईस मिलों का भी भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए हैं। वन अधिकार पत्र और विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा किसानों का भी प्राथमिकता से धान खरीदने के निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत सभी पात्र किसानों को लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि निर्वाचन कार्य में लगे सभी अधिकार और कर्मचारी राज्य निर्वाचन के अधीन रहते है। और उन्हें निर्वाचन से संबंधित कार्य करना होगा। कलेक्टर ने साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में सभी अधिकारियों को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अधिक से अधिक हितग्राहियों को देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जशपुर में जिन अधिकारी, कर्मचारी का खुद का मकान वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। इसके साथ ही निर्माण एजेंसी, प्राइवेट स्कूल ,कालेज, अस्पतालों में भी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ देने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने विगत दिवस मुख्यमंत्री जी द्वारा कलेक्टर कान्फ्रेंस लिए गए थे उस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों को कलेक्टर कान्फ्रेंस में दिए गए निर्देशों का भली भांति पालन करना है। स्वास्थ्य केन्द्रों में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना है। घर में प्रसव होने वाले माताओं की जानकारी अनिवार्य रूप से देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दूरस्थ अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाओं पर विशेष ध्यान रखें और गंभीर मरीजों को तत्काल ईलाज की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू और सभी एसडीएम, जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

सहकारी समिति कर्मचारी संघ हड़ताल पर, कार्य प्रभावित

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी संघ और समर्थन मूल्य धान खरीदी कंप्यूटर ऑपरेटर संघ ने अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू होने से किसानों के कागजी काम काज प्रभावित हो रही है। वही यह हड़ताल 3 नवंबर से शुरू हुई है और जब तक मांगें पूरी नहीं की जातीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

तमता खरीदी केंद्र के प्रबंधक हजारी लाल ने बताया कि यह आंदोलन संभाग स्तरीय है और सरकार हमारी मांगे पूरी नहीं करने से यह आंदोलन निरंतर जारी रहेगी। बुधवार को स्थानीय किसान भगत राम यादव ने बताया कि ग्राम तमता के खरीदी केंद्र पिछले तीन दिनों से ताला लगा हुआ है और यहां आने वाले किसानों को गेट से ही बेरंग वापस लौटना पड़ रहा है 1 दूसरे किसान सुशील यादव खरकट्टा से आए थे और उन्होंने बताया कि मेरा एग्रीटेक पंजीयन नहीं हुआ था तो मै खरीदी केंद्र आया था और यहां के गेट पर ताला लटका देख बिना किसी काम कराए वापस लौट गया। उन्होंने बताया कि प्रति दिन खरीदी केंद्र में दर्जनों किसान अपने निजी काम से आके वापस लौट जा रहे हैं। क्या है संघ की चार मुख्य मांगें वेतन विसंगति दूर करना कर्मचारियों को समय पर और उचित वेतन मिलना चाहिए। नियमितीकरण संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों को नियमित किया जाए। पदोन्नति नीति लागू करना कर्मचारियों के लिए स्पष्ट पदोन्नति नीति लागू की जाए। सेवानिवृत्ति लाभों में सुधार कर्मचारियों को बेहतर सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान किए जाएं। धान खरीदी प्रभावित हड़ताल के कारण धान खरीदी प्रक्रिया प्रभावित हो रही है, जिससे किसानों को परेशानी हो सकती है। कार्यालयों में कामकाज ठप पड़े हैं और हड़ताल के कारण सहकारी समितियों में कामकाज पूरी तरह से ठप हो गया है।

समयबद्धता ही सफलता का सूत्र : डीडीसी मलीता

जशपुरनगर। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय नारायणपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम नारायणपुर में समापन समारोह स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष दीप एवं धूप प्रज्वलित कर आयोजन किया गया।

- राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर समापन समारोह का हुआ आयोजन

यह शिविर दि नां क 29.10.25 से 4.11.25 तक का र्य क्र म अ धि का री उत्तम कुमार यादव,सहायक कार्यक्रम अधिकारी अजय कोरी, प्राचार्य अगुस्टिना तिग्गा के मार्गदर्शन मे किया गया।

शिविर में नशा मुक्ति, दहेज प्रथा, मतदाता जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक, डिजीटल साक्षरता, युवाभारत,सोखता गढा का निर्माण , सड़क समतलीकरण , स्वच्छता पखवाड़ा, गाजर घास उन्मूलन, प्रकृति संरक्षण , सांस्कृतिक कार्यक्रम,टोली संचालन विभिन्न गतिविधियां विगत 7 दिनों में संपन्न की गई। समापन समारोह मुख्य अतिथि मलीता बाई के द्वारा देश और समाज के चौमुखी विकास की बात कही गई, सरपंच नारायणपुर ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भागीदारी को श्रेष्ठ मंच बताया एवं स्वयंसेवकों को 1 दिन काभोजन प्रोत्साहन प्रदान किया।विशिष्ट अतिथि संतन राम के द्वारा शिविर के दिनचर्या का पालन जीवन में सफलता दिलाती है, इन शब्दों से छात्रों को प्रोत्साहित किया। विशिष्ट अतिथि संतोषी बन्दे के द्वारा कहा गया एनएसएस में संचालित गतिविधियों से समाज का विकास निश्चित रूप से होता है। राहुल बंग ने स्वयं सेवक द्वारा किये गये स्वच्छता अभियान ,कार्यक्रमों की प्रोत्साहन किया। रानीकोम्बो सरपंच के द्वारा पुरुस्कार भेट कर प्रोत्साहन प्रदान किया 1कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्य स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी मध्यम विद्यालय नारायणपुर अगुस्टिना तिग्गा के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के संचालन से विद्यार्थियों में हो रहे सर्वांगीण विकास पर प्रकाश डाला। स्वयंसेवकों विवेकानन्द चौहान, अंजना बाई के द्वारा शिविर शिविर प्रतिवेदन का पठन किया गया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम की गयी। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन कार्यक्रम अधिकारी उत्तम कुमार यादव,संचालन स्वयंसेवक अनुराग दास, तनुजा यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में हेमंत प्रजापति, इकबाल खान, हसीबुद्दीन राइन, अर्चना मिंज, संगीता तिर्की, स्मृति भगत, हिल्दा केरकेटा, समस्त शिक्षक, प्रधान पाठक प्राथमिक माध्यमिक शाला नारायणपुर, स्वयंसेवक एवं ग्रामीण जनों के साथ हर्षोल्लास के साथ संपन्न किया गया।

दुष्कर्म में विफल युवक ने घर में लगाई आग

सुंदरगढ़। जिले के तलसरा थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास विफल होने पर आरोपी ने पीड़िता के परिवार को धमकाते हुए घर में आग लगाने की कोशिश की। घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। रविवार की रात लगभग 12 बजे पहाड़ी चिता गैंग का पूर्व सदस्य मुकेश सिंह गांव की एक नाबालिग के घर में घुसा और उससे दुष्कर्म का प्रयास किया। साहसी नाबालिग ने प्रतिरोध करते हुए उसे आंगन से खदेड़ दिया और शोर मचाया। आवाज सुनकर उसके दिव्यांग माता पिता जाग गए, तब आरोपी मौके से फरार हो गया। अगले दिन जब परिवार ने तलसरा थाने में शिकायत दर्ज कराई, तो मुकेश ने उन्हें जान से मारने और घर जलाने की धमकी दी। उसी रात उसने धमकी को अंजाम देने की कोशिश की और पीड़िता के घर में आग लगाने का प्रयास किया। सौभाग्य से ग्रामीणों की तत्परता से आग बुझा ली गई, जिससे बड़ा नुकसान टल गया।

समाजसेवी मोहन लाल ने परिवार के साथ किया कंबल वितरण

कोतबा। धर्मनगरी कोतबा के समाजसेवी और प्रतिष्ठित नागरिक मोहनलाल अग्रवाल ने बुधवार दोपहर 2 बजे के दरम्यान कड़ाके की ठंड से बचने के लिए बुजुर्गों,महिलाओं व जरूरतमंद लोगों को कम्बल,और फल वितरण किया गया।

इस दौरान बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए यहां पहुंचे लोगों को श्री अग्रवाल के द्वारा अपने पिता के नाम से बनाये गये धर्मशाला सेठ गोविंद राम अग्रवाल पर यह आयोजन किया गया था। यहां सभी एकत्रित लोगों को पहले नास्ता पानी प्रबंध किया गया.जिससे उनके चेहरे से खुशियां उभर आई। यहां शामिल 500 सौ से अधिक जरूरतमंद ग्रामीण और महिलाओं ने दानदाता मोहनलाल अग्रवाल की जमकर तारीफ करते हुये कहा कि वे लंबे समय से कोतबा से दुर रायगढ़ में सपरिवार निवास करते है.और इतने अंतराल के बाद भी यहां के लोगों के प्रति उनकी आघात प्रेम उनकी उदार भावना को जागृत करती है। जरूरतमंद लोगों कंबल पाकर श्री अग्रवाल की खूब प्रशंसा करते हुये उनके सुखद जीवन की कामना की। विदित हो कि पिछले 10 वर्षों से अधिक समय वे कोतबा से रायगढ़ में रहकर निवास करते है लेकिन ठंड के दस्तक के पूर्व वे हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपने परिवार के साथ कोतबा क्षेत्र के ग्रामीण जरूरतमंद लोगों को पसेवाभाव से ठंड के मौषम आते ही गर्म कपड़े वितरण करने पहुंच जाते हैं। जरूरतमंदों को मदद देने के लिए सप्ताह भर पूर्व क्षेत्र के कोतबा नगर पंचायत के 15 वार्डो सहित आसपास के ग्राम बुलडेगा के बिरहोर मौहल्ले सहित तेलाइन, गोलियागढ़, पतराटोली, मधुबन, बनगांव, पटवारजोर सहित अन्य पंचायतों में मुनादी कराई जाती है। जिसमे बड़ी संख्या में क्षेत्रभर के बुजुर्ग महिला पुरुष व जरूरतमंद लोग शामिल होते है। और बुजुर्गो को सम्मानित कर उन्हें सेवाभाव से कंबल वितरित करते है।मोहन लाल अग्रवाल सहित सामाजिक कार्यकर्ताओं के द्वारा बुजूर्गों को कंबल सहित खादय सामग्री वितरित किया गया। ठिठुरते ठंड में नए कंबल पाकर वृद्धजन खुश हो गए। सेठ गोविंद राम धर्मशाला में आयोजीत इस सराहनीय आयोजन की प्रसंसा चहुओर की जा रही है।

अवैध खनन पर भड़के ग्रामीण

जशपुरनगर। जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सुतरी में अवैध रेत और मुरुम खनन को लेकर ग्रामीणों में जबरदस्त आक्रोश है।

ग्रामीणों का आरोप है कि रेत माफिया गांव की निस्तारी जमीन, शमशान घाट और प्राचीन शिव मंदिर के आसपास की भूमि को जेसीबी मशीन लगाकर खोद रहे हैं, जिससे धार्मिक स्थल और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि रेत माफिया खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए अवैध खनन कर रहे हैं। जिन स्थानों पर खुदाई हो रही है, वह क्षेत्र वन विभाग की भूमि से सटा हुआ है। ग्रामीणों ने बगीचा वनपाल प्रमोद शुक्ला पर रेत माफियाओं को संरक्षण देने का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अवैध खनन और वनों की कटाई की जानकारी कई बार फोटो और शिकायत के माध्यम से वन विभाग को दी गई, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई।

- शमशान घाट और मंदिर परिसर क्षेत्र तक उत्तखनन

ग्रामीणों ने बताया कि रेत माफियाओं ने सुतरी गांव के प्राचीन शिव मंदिर के चारों ओर की मिट्टी को काटकर नुकसान पहुँचाया है।

उच्चस्तरीय जांच की मांग- ग्रामीण अब इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं और दोषी माफियाओं एवं जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

निःशुल्क सिलाई एवं बैग निर्माण प्रशिक्षण

कांसाबेल। जीवन झरना विकास संस्था कांसाबेल द्वारा जुलाई से सितम्बर 2025 तक ग्रामीण क्षेत्र की युवातियों के लिए निःशुल्क सिलाई एवं बैग निर्माण प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में 15 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

संस्था ने इन युवतियों का चयन उन वर्गों से किया जो आर्थिक समस्याओं से जूझ रही थीं, प्रेम प्रसंग और लैंगिक अपराध से मुक्त कराई गई थीं तथा आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता महसूस कर रही थीं। तीन माह तक चले इस प्रशिक्षण में सिलाई और बैग बनाने के साथ साथ टमाटर, निम्बू, आंवला, महुआ का अचार, केक, लड्डू, और झुमर बनाने की विधि भी सिखाई गई। इसके साथ ही मानव तस्करी रोकथाम, बाल विवाह रोकथाम और लैंगिक अपराध जैसे महत्वपूर्ण

विषयों पर जानकारी दी गई। बच्चों और लड़कियों से जुड़ी सच्ची घटनाओं के उदाहरण देकर प्रतिभागियों को आत्म - सुरक्षा के उपाय बताए गए। समापन अवसर पर जीवन झरना विकास संस्था द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण किए गए और उन्हें अपने सीखे हुए कौशल का उपयोग कर स्वावलम्बी बनने तथा परिवार की आर्थिक मदद करने का सुझाव दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस तीन माह की अवधि में उन्होंने न केवल सिलाई और अन्य कौशल सीखे बल्कि बड़ों का आदर करना, अनुशासन में रहना, सही ढंग से बात करना और किसी के बहकावे में न आना जैसे जीवनोपयोगी ज्ञान भी प्राप्त किया। संस्था ने सभी ने सभी प्रशिक्षार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

पंडरापाठ पंचायत सचिव की पोस्टिंग को लेकर ग्रामीणों का धरना प्रदर्शन

जशपुरनगर। जिले के बगीचा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत पंडरापाठ में पंचायत सचिव के पदभार में किए गए फेरबदल को लेकर मचा विवाद बुधवार को धरना प्रदर्शन में बदल गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण पिकअप वाहन में सवार होकर जिला पंचायत पहुंचे और सचिव गणेश यादव की पोस्टिंग का विरोध करते हुए धरने पर बैठ गए। ग्रामीणों का आरोप था कि गणेश यादव पूर्व में भी पंडरापाठ में सचिव रह चुका है और उसके कार्यकाल में पीएम आवास, वन अधिकार पट्टा एवं निर्माण कार्यों में गड़बड़ी की गई थी। ग्रामीणों ने कहा कि यादव का व्यवहार भी लोगों के साथ ठीक नहीं था, जिसके कारण उसे हटाया गया था। अब राजनीतिक दबाव के चलते दोबारा उसी पंचायत में

उसकी पोस्टिंग की गई है, जिसका वे विरोध कर रहे हैं।

धरने के दौरान ग्रामीणों ने मांग की कि वर्तमान सचिव कमल नारायण को यथावत रखा जाए और गणेश यादव की पदस्थापना को निरस्त किया जाए। इसी बीच जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार ने प्रदर्शनकारियों से चर्चा की और नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिलाया। सीईओ की समझाइश के बाद ग्रामीण धरना खत्म करने पर राजी हुए।

पेज 1 का शेष

कानून की नई सोच ...

पारदर्शी, तकनीकी और न्यायोन्मुख बनाने की दिशा में नया अध्याय जुड़ा है।

तकनीक के साथ बदली जांच की परिभाषा- नाटक की शुरुआत एक परिवार में डकैती और हत्या की घटना से होती है। पुलिस को खबर मिलते ही त्वरित कार्रवाई कर एफआईआर दर्ज की जाती है। फॉरेंसिक विशेषज्ञों की मौजूदगी में वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए जाते हैं हर कदम की वीडियोग्राफी होती है।170 दिनों में जांच पूरी कर चालान पेश किया जाता है और 90 दिनों के भीतर अदालत से फैसला आता है।पूरे दृश्य में ई-साक्ष्य ऐप,सीसीटीएनएस, एनएएफआईएस और क्राइम मल्टी एजेंसी सेंटर जैसे आधुनिक तकनीकी साधनों की भूमिका को बेहतरीन ढंग से दिखाया गया है।

पुलिस अधिकारी बने कलाकार- नाटक की एक और खासियत यह है कि इसमें अभिनय करने वाले सभी 30 कलाकार वास्तविक पुलिस अधिकारी और कर्मचारी हैं। कोई थानेदार, कोई फॉरेंसिक विशेषज्ञ तो कोई अधिवक्ता और न्यायाधीश की भूमिका में मंच पर नजर आता है। इंस्पेक्टर किरण ठाकुर की भूमिका में पुलिस मुख्यालय रायपुर की ज्योति पाण्डेय और राजनांदगांव के संदीप देशमुख को दर्शकों का विशेष स्नेह मिल रहा है। जनता का अपार स्नेह मिल रहा है: एसएसपी शशि मोहन सिंह। नाटक को मिली भारी सराहना पर एसएसपी शशि मोहन सिंह ने कहा कि हमारे नाटक 'दंड से न्याय की ओर'को दर्शकों का अपार प्यार मिल रहा है। संवाद सत्रों में लोग कह रहे हैं कि नाटक ने नए कानूनों की जटिल बातों को बहुत सरलता से समझाया है। न्याय, संवेदना और पारदर्शिता का संदेश- नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि अब भारतीय कानून का उद्देश्य केवल 'दंड' देना नहीं, बल्कि 'न्याय' सुनिश्चित करना है। नए कानूनों में तकनीक और मानवीय संवेदना के समन्वय से न्याय प्रक्रिया न केवल तेज हुई है बल्कि अधिक पारदर्शी और मानवीय भी बनी है। टीम का उल्लेखनीय योगदान9 इस नाटक के निर्माण में डीआईजी प्रखर पाण्डेय, एआईजी विवेक शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वर्षा मिश्रा, डीएसपी डॉ.प्रमिला सहित कई अधिकारियों का विशेष योगदान रहा। छत्तीसगढ़ पुलिस ने इस प्रस्तुति के माध्यम से यह संदेश दिया है कि कानून की जानकारी अदालतों तक सीमित नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग तक रचनात्मक माध्यमों से पहुंचनी चाहिए।"

चार दिन तक जशपुर ...

ली हैं। सजावट, रोशनी और उल्लास से सजा जशपुर नगर अब उत्सव के रंग में रंग गया है।

रोमांच का नया अध्यायः हॉट एयर बलून से एटीवी राइड तक9 जशपुर जम्बूरी में इस बार रोमांच और प्रकृति का बेहतरीन संगम देखने को मिलेगा।मधेश्वर पहाड़ियों के ऊपर उड़ते हुए हॉट एयर बलून और पैरामोटरिंग शो पर्यटकों को हरियाली का मनोहारी दृश्य दिखाएंगे। झरनों की धाराओं में कयाकिंग, जंगलों की मिट्टी पर एटीवी राइड और फॉरेस्ट ट्रेकिंग ट्रेल्स पर्यावरण और साहसिक खेलों का आकर्षक संतुलन प्रस्तुत करेंगे।रात्रि में स्टार गेजिंग सेशन्स में पर्यटक जशपुर के निर्मल आकाश में झिलमिलाते तारों का सौंदर्य निहारेंगे। लोककला, संगीत और बोनफायर नाइट्स की झंकार- हर शाम जशपुर की वादियां लोकधुनों से गूंज उठेंगी बोनफायर नाइट्स में जनजातीय कलाकारों के नृत्य, मांदर की थाप और गीतों की स्वर-लहरियाँ वातावरण में उत्साह घोलेंगी।स्थानीय हस्तशिल्प, बांस और लकड़ी की कलाकृतियाँ, जनजातीय आभूषण और पारंपरिक वस्त्रों की प्रदर्शनी भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।'जशपुर जम्बूरी'केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि जनजातीय गौरव और सांस्कृतिक आत्मसम्मान का पर्व बन गया है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर गूंजेगा जशपुर का नाम- देशभर से आए ट्रैवल ब्लॉगर, फोटोग्राफर और इन्फ्लुएंसर इस आयोजन के अनुभवों को सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। इससे जशपुर की प्राकृतिक सुंदरता और जनजातीय संस्कृति की पहचान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत होगी। प्रशासन ने ठहरने, सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात की व्यवस्था का पूरा ख्याल रखा है।